शिक्षक की स्वायत्तता और अधिगम प्रतिफल

रीमा कौर

फ़ाउंडेशनल स्टेज के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF-FS) का लक्ष्य अधिगम के स्पष्ट मानक परिभाषित कर फ़ाउंडेशनल स्टेज में बच्चों के अधिगम सम्बन्धी अनुभवों में बदलाव लाना है। अधिगम प्रतिफलों (LOs) के प्रति दृष्टिकोण यह है कि क्षमता हासिल करने की दिशा में बच्चे अपनी गति से आगे बढ़ते हैं। यह अधिगम की पूर्व-निर्धारित, कक्षा-वार/ ग्रेड-वार गति सम्बन्धी पिछली सभी नीतियों से बहुत अलग है।

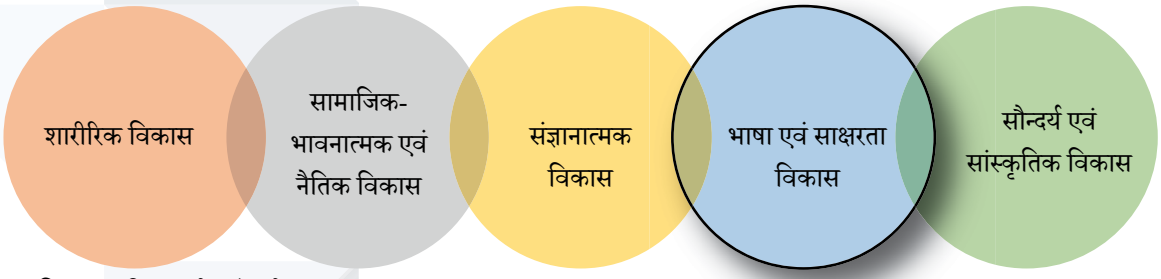

चित्र-1 : विकास के पाँच क्षेत्र।

आइए इसे भाषा और साक्षरता विकास के क्षेत्र के एक उदाहरण की सहायता से समझें, जिसके पाठ्यचर्या लक्ष्य और अधिगम प्रतिफल निम्नानुसार हैं।

पाठ्यचर्या लक्ष्य-10 : बच्चों में प्रथम भाषा पढ़ने और लिखने में प्रवाह विकसित होता है

जहाँ मौखिक भाषा का विकास समाजीकरण और किसी भाषायी वातावरण में शामिल होने की प्रक्रिया के माध्यम से स्वाभाविक रूप से होता है, वहीं लिखित भाषा एक सांस्कृतिक संरचना होती है और इसमें कुछ भी स्वाभाविक नहीं होता। बच्चों को उनके द्वारा अर्जित मौखिक भाषा और उस भाषा की लेखन प्रणाली (लिपि) के बीच सम्बन्ध बनाने के लिए स्पष्ट शिक्षण की आवश्यकता होती है। इसकी शुरुआत यह पहचानने से होती है कि हम ऐसे शब्दों का उपयोग करते हैं जिनमें अर्थ होता है और ये शब्द आगे चलकर ध्वनियों में विभाजित हो जाते हैं जिन्हें लिपि में प्रतीकों के द्वारा दर्शाया जाता है। हालाँकि लिपि पढ़ने और लिखने के लिए स्पष्ट शिक्षण की आवश्यकता होती है, लिपि के सभी अक्षर सीख लेना पूर्ण हो जाने तक अर्थ-निर्माण करने को टाला नहीं जाना चाहिए।

पाठ्यचर्या-10.1 : अधिगम प्रतिफल

पाठ्यचर्या-10.1 : L1 में ध्वनि जागरूकता विकसित करती है और स्वनिमों (phonemes) / शब्दांशों (syllables) को मिलाकर शब्द बनाती है और शब्दों को स्वनिमों (phonemes) / शब्दांशों (syllables) में विभाजित करती है

उम्र 3-8

	A	B	C	D	E
1	• बालगीत गाता है	• तुकबन्दी वाले शब्द और अनुप्रास पहचानता है	• तुकबन्दी वाले शब्द और अनुप्रास बनाता है		
2	• शब्दांश ध्वनियों की नक़ल और पुनरुत्पादन करता है	• शब्दों में आरम्भिक और अन्तिम शब्दांशों की पहचान करता है	• शब्दांशों को उनके व्यंजन और स्वर ध्वनियों में विभाजित करता है		
3		• 2-3 शब्दांशों को जोड़कर सरल शब्द बनाता है	• परिचित शब्द बनाने के लिए ध्वनियों (स्वर और व्यंजन) को मिलाता है		

स्रोत : फ़ाउंडेशनल स्टेज फ़ाउंडेशनल स्टेज के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा । खण्ड 1.1.4 भाषा एवं साक्षरता विकास। पेज 260-261

नोट : फ़ाउंडेशनल स्टेज के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF-FS) के अनुसार, L1 घर की भाषा/ मातृभाषा/ परिचित भाषा है (पेज 62)। फ़ाउंडेशनल स्टेज के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF-FS) ने सिफ़ारिश की है कि L1 को शिक्षण के माध्यम के रूप में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यदि L1 शिक्षण का माध्यम नहीं है, तो जहाँ तक सम्भव हो इसका उपयोग मौखिक क्षेत्र में और अन्य भाषाओं में सहज परिवर्तन के लिए किया जाना चाहिए। अधिक जानने के लिए, फ़ाउंडेशनल स्टेज में भाषा शिक्षा और साक्षरता के लिए फ़ाउंडेशनल स्टेज के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF-FS) का दृष्टिकोण देखें (पेज 76-79)।

यह उदाहरण इस दक्षता की प्राप्ति के लिए सम्भावित विकास के पाँच चरण (A से E तक) दर्शाता है। सभी दक्षताओं के लिए अधिगम प्रतिफल इसी तरह दर्शाए जाते हैं।

शिक्षक की स्वायत्तता और कक्षा का सन्दर्भ

फ़ाउंडेशनल स्टेज के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF-FS) में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पाठ्यक्रम विकसित करने वालों और शिक्षकों को कक्षा के सन्दर्भों को ध्यान में रखते हुए अधिगम प्रतिफल तैयार करने की स्वायत्तता होनी चाहिए, बशर्ते कि ये दक्षताओं से मेल खाते हों (NCF-FS 2022, पृ 51)। एससीईआरटी जैसे राज्य शैक्षणिक संस्थान, जो पाठ्यक्रम विकास में लगे हुए हैं, अधिगम प्रतिफलों के स्तर पर काम करने पर अधिक ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं।

इसका मतलब यह है कि एक शिक्षक को यह स्वतंत्रता है कि वह अपनी कक्षा के सन्दर्भ के आधार पर ध्वनि सम्बन्धी चेतना दक्षता के लिए अधिगम प्रतिफल संशोधित कर सके। आइए हम दीपिका का उदाहरण लें, जो पास के एक सुविधाविहीन मोहल्ले में पढ़ाती है और उसके पास 3-6 साल के बच्चों की एक मिली-जुली कक्षा है, जहाँ शिक्षण का माध्यम अँग्रेज़ी है।

दीपिका अपने बच्चों के लिए निम्नलिखित कारकों पर विचार करते हुए ध्वनि सम्बन्धी चेतना की दक्षता से सम्बन्धित अधिगम प्रतिफलों की निम्नानुसार पुनर्कल्पना करती है :

- विभिन्न पर्यावरणीय ध्वनियों पर ध्यान देने और उनके साथ खेलने में बच्चों द्वारा पहले दर्शाई जा चुकी रुचि।
- किसी अन्य दक्षता, जिसका सम्बन्ध संज्ञानात्मक विकास से है, के कुछ अधिगम प्रतिफलों को शामिल करना (पाठ्यचर्या-2.3 : ध्वनियों में उसके पिच, वॉल्यूम से और ध्वनि पैटर्न्स में पिच, वॉल्यूम और टेम्पो से अन्तर करती है)।

तालिका-1 : दीपिका द्वारा अपनी कक्षा के लिए अधिगम प्रतिफलों में संशोधन

पाठ्यचर्या-10.1 : L1 में ध्वनि जागरूकता विकसित करती है और स्वनिमों (phonemes) / शब्दांशों (syllables) को मिलाकर शब्द बनाती है और शब्दों को स्वनिमों (phonemes) / शब्दांशों (syllables) में विभाजित करती है

उम्र 3-8

	A	B	C	D	E
1	• पर्यावरणीय ध्वनियों पर ध्यान देता है (उदाहरण के लिए, विभिन्न जानवरों और पक्षियों की आवाज़ें)	• पर्यावरणीय ध्वनियों पर ध्यान देता है और उत्पन्न करता है	• विभिन्न सन्दर्भों में पर्यावरणीय ध्वनियों के विविध रूप उत्पन्न करता है (जैसे हल्की हवा, तेज़ हवाएँ, तूफ़ानी बादल)		
2	• बालगीतों और गीतों की लय और उनके तुकान्त शब्दों का आनन्द लेता है		• तुकान्त शब्द बनाता है (इसमें निरर्थक शब्द भी शामिल हैं)	• सहायता के साथ छोटे बालगीत (2-3 पंक्तियाँ) तैयार करता है	
3	• क्रियाओं के माध्यम से किसी वाक्य में अलग-अलग शब्द पहचानता है (उदाहरण के लिए, ताली बजाना, कूदना और डेस्क बजाना)		• बोले गए दो शब्दांशों वाले शब्दों को क्रियाओं (जैसे ताली बजाना, कूदना और डेस्क बजाना) के माध्यम से शब्दांशों (जैसे उनका नाम, टेबल, कूड़ादान आदि) में विभाजित करता है	• बोले गए 2-3 शब्दांशों वाले शब्दों को क्रियाओं (जैसे ताली बजाना, कूदना और डेस्क बजाना) के माध्यम से शब्दांशों में विभाजित करता है (जैसे उनका नाम, बोतल, कम्प्यूटर, तितली आदि)	

- यह देखते हुए कि उसके बच्चों को भाषा और साक्षरता सम्बन्धी दक्षताएँ हासिल करने के लिए अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता है, उन्हें शब्दों को शब्दांशों में विभाजित करने की दक्षता प्राप्त करने के लिए कतिपय अतिरिक्त क़दमों की आवश्यकता हो सकती है।
- हाल ही में दीपिका का परिचय कुछ अतिरिक्त ध्वनि सम्बन्धी गतिविधियों से हुआ है जो फ़ाउंडेशनल साक्षरता की एक ज़िला स्तरीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति ने प्रदर्शित की थीं।
- समुदाय के कुछ सदस्यों (मुख्य रूप से कॉलेज के विद्यार्थियों) द्वारा कक्षा में स्थानीय भाषाओं में बालगीत और गीत गाकर और वाद्ययंत्र बजाकर दीपिका की सहायता करने में रुचि व्यक्त की गई।
- चूँकि दक्षता में स्वनिम स्तर पर काम करने की बजाय शब्दांश स्तर पर काम करने का विकल्प है, दीपिका तय करती है कि अपने बच्चों को स्वनिम से परिचित बाद के चरणों में कराएगी, शायद शब्दों और शब्दांशों के मामले में उनकी प्रगति देखने के बाद।

शिक्षाशास्त्र और आकलन पर पुनर्विचार

उपरोक्त उदाहरण को जारी रखते हुए, दीपिका अपने बच्चों के लिए विशिष्ट अधिगम अनुभवों या गतिविधियों की योजना

तालिका-2 : अपनी कक्षा में गतिविधियों के लिए दीपिका की योजना

पूरी कक्षा/ छोटा समूह	सीखने के अनुभव/ गतिविधि की प्रकृति	दीपिका बच्चों की भागीदारी और प्रगति पर कैसे नज़र रखती है
पूरी कक्षा	पर्यावरणीय ध्वनियों पर ध्यान देने और उत्पन्न करने से सम्बन्धित उत्साहवर्धन खेल : • अपनी आँखें बन्द करें और परिवेश में होने वाली आवाज़ों पर ध्यान दें। • (आँखों पर पट्टी बाँधकर) आस-पास की विभिन्न ध्वनियों के स्रोतों को समझें/ पहचानें। • विभिन्न स्थितियों में ध्वनियों की कल्पना करें, उदाहरण के लिए, आकाश में पक्षी की तरह उड़ने, भारी बारिश में फँसने या पानी के नीचे होने की कल्पना करें। • अपनी आवाज़ या आस-पास की वस्तुओं का उपयोग करके सुनी गई ध्वनियाँ पुनः प्रस्तुत करें।	दीपिका की कक्षा के सभी बच्चों ने पर्यावरणीय ध्वनियों पर ध्यान देने और उत्पन्न करने से सम्बन्धित अधिगम प्रतिफल प्राप्त कर लिए हैं, इसलिए इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों को अधिक चुनौतीपूर्ण ध्वनि सम्बन्धी जागरूकता गतिविधियों के लिए तैयार करना है। दीपिका तब तक कुछ भी रिकॉर्ड नहीं करती, जब तक कि किसी बच्चे या कुछ बच्चों से जुड़ी कोई विशेष घटना न हो, जिसे वह एक क़िस्से के रूप में दर्ज करना चाहेगी।
पूरी कक्षा	• स्थानीय भाषा (भाषाओं) और अँग्रेज़ी में बालगीत और गीत गाना। • शब्द क्रीड़ा : स्थानीय भाषाओं के बोलने में कठिन शब्द सुनना और दोहराना।	बालगीतों और गीतों की जटिलता का स्तर ऐसा होता है कि सभी बच्चे उन्हें गा सकते हैं। दीपिका सम्बन्धित अधिगम प्रतिफल लेती है और उन्हें विभाजित कर एक चेकलिस्ट तैयार करती है, जहाँ वह हर हफ़्ते कुछ बच्चों का अवलोकन करके सभी बच्चों की प्रगति पर नज़र रखती है : • परिचित बालगीतों/ गीतों के साथ गाता है। (हाँ/ नहीं) • शारीरिक हरकतों/ लयबद्ध गायन के माध्यम से लय की कुछ समझ प्रदर्शित करता है। (हाँ/ नहीं) • कुछ बालगीतों/ गीतों के लिए पसन्द व्यक्त करता है, उदाहरण के लिए, कोई बालगीत/ गीत चुने जाने पर सुझाव देता है या सहमति/ असहमति व्यक्त करता है। (हाँ/ नहीं) • भागीदारी करते समय ख़ुशी के लक्षण प्रदर्शित करता है, उदाहरण के लिए, न गाते समय भी दूसरों के साथ खड़ा रहता है, साथ में गाता है, उत्सुकता से देखता है, हिलता-डुलता है आदि। (हाँ/ नहीं)

छोटे समूह (पृथक किए गए नहीं)	स्थानीय भाषा(ओं) और अँग्रेज़ी के परिचित शब्दों को शब्दांशों में विभाजित करने से सम्बन्धित भाषा सम्बन्धी खेल (उपरोक्त बालगीतों/ गीतों से लिया जा सकता है या नहीं भी)। उदाहरण के लिए, किसी शब्द को सुनकर या उसका चित्र देखकर। जो बच्चे इसे स्वतंत्र रूप से करते हैं उन्हें 2-3 अक्षर वाले शब्द दिए जाते हैं और जिन बच्चों को अधिक सहायता की आवश्यकता होती है उन्हें केवल दो अक्षर वाले शब्द दिए जाते हैं – वे वही दोहराते हैं जो दूसरा बच्चा या शिक्षक प्रदर्शित करता है।	दीपिका शब्दों को शब्दांशों में विभाजित करने के सम्बन्ध में बच्चों की प्रगति पर नज़र रखने के लिए कोई अलग आकलन उपकरण तैयार नहीं करती है। वह अधिगम प्रतिफलों की संशोधित तालिका को मदों/ रूब्रिक के रूप में उपयोग करती है और बच्चों द्वारा प्राप्त अधिगम के प्रतिफलों के सामने उनके नाम अंकित करती है।

बनाती है। उसका मानना है कि सभी बच्चे गतिविधियों के एक पूर्वनिर्धारित अनुक्रम के साथ प्रगति नहीं कर सकते हैं, इसलिए वह अधिक विभेदित दृष्टिकोण अपनाती है – कुछ गतिविधियाँ जहाँ पूरी कक्षा को शामिल किया जा सकता है और कुछ जहाँ बच्चों की विशिष्ट आवश्यकताओं को उन पर कोई लेबल चस्पा किए बिना या उन्हें अलग-थलग किए बिना ध्यान में रखा जाता है।

दीपिका हर दिन ध्वन्यात्मक चेतना गतिविधियों के लिए 7-8 मिनट आवंटित करती है जिसमें वह एक मोटी-मोटी योजना **(तालिका-2)** तैयार करती है, जिसमें ऊपर उल्लिखित अधिगम प्रतिफल से कुछ बिन्दु और अन्य क्षेत्रों से अधिक बिन्दु शामिल होते हैं। जैसे कि निर्देशों का पालन करना, संवेदी विकास, एक-दूसरे की मदद करना और बारी-बारी से काम करना आदि।

इससे पहले दीपिका अनौपचारिक रूप से स्थानीय भाषा (भाषाओं) को शामिल कर चुकी थी – या तो बालगीतों और गीतों के माध्यम से मज़े के लिए या व्याख्या के लिए।

वह औपचारिक शिक्षण के लिए केवल अँग्रेज़ी का उपयोग करने की बाध्यता महसूस करती थी, क्योंकि यह उसके स्कूल में शिक्षण का माध्यम है। अधिगम के नए मानकों की मदद से, उसे कम-से-कम मौखिक क्षेत्र में, बच्चों की अपनी भाषा(ओं) को औपचारिक रूप से शामिल करने के महत्त्व का एहसास हुआ है। दीपिका ने न केवल अपने विद्यार्थियों की ध्वनि सम्बन्धी जागरूकता बल्कि भाषा और साक्षरता के अन्य पहलुओं को भी विकसित करने के लिए औपचारिक रूप से अधिक बालगीतों, गीतों, बोलने में कठिन शब्दों और स्थानीय भाषा के शब्दों को शामिल करने की योजना बनाई है। बच्चों को अधिक भाषायी खेलों में शामिल किया जाता है जहाँ वे बाक़ी कक्षा से अलग-थलग रहने की बजाय मिश्रित समूहों में एक-दूसरे की मदद और सहायता करते हैं। समग्र विकास के लिए भाषा और साक्षरता सम्बन्धी अधिगम प्रतिफलों को अन्य क्षेत्रों के अधिगम प्रतिफलों के साथ एकीकृत किया गया है। आकलन के सन्दर्भ में, किसी अलग परीक्षण की आवश्यकता नहीं है; दीपिका अपने बच्चों की प्रगति को रिकॉर्ड करने के लिए विभिन्न उपकरणों और तकनीकों का उपयोग करती है।

सारांश

फ़ाउंडेशनल स्टेज के लिए स्पष्ट अधिगम मानक स्थापित करना महत्त्वपूर्ण है ताकि शिक्षक, माता-पिता और स्कूल लीडर समझ सकें कि इस आयु वर्ग के बच्चे कैसे विकसित होते और सीखते हैं। यह तरीक़ा ऐसी व्यापक दक्षताओं का विकास करने पर केन्द्रित है जो बच्चों को फ़ाउंडेशनल स्टेज के अन्त तक हासिल कर लेना चाहिए, ताकि उन्हें सीखने के समग्र और व्यक्तिगत अनुभव के लिए एक रूपरेखा प्राप्त हो जाए। जहाँ दीपिका का उदाहरण दर्शाता है कि व्यक्तिगत तौर पर शिक्षक अपनी कक्षाओं में अधिगम मानकों को प्रभावी ढंग से कैसे लागू कर सकते हैं, राज्य शैक्षणिक संस्थानों को ऐसी पाठ्यचर्या सामग्री तैयार करना चाहिए जिसमें अधिगम मानकों को शामिल किया जाए ताकि ज़मीनी स्तर पर क्रियान्वयन में मदद मिले।

टिप्पणी

i. स्वनिम वाणी में ध्वनियों की सबसे छोटी इकाइयाँ होती हैं। उदाहरण के लिए, 'कैट', 'काइट' और 'डक' शब्दों में स्वर /k/ (क) शामिल है। स्वनिम और लेखीम/ वर्णिम (लेखन प्रणाली की सबसे छोटी इकाई, जैसे अक्षर/ लेटर) के बीच की संगति को समझना 'विकोडन/ विकूटन' (डिकोडिंग) के रूप में जाना जाता है, जो पूरे शब्दों को पढ़ने के लिए एक आवश्यक साक्षरता कौशल है।

ii. जब बच्चों के L1 का आधिकारिक तौर पर अन्य विषय पढ़ाने के लिए भाषा के रूप में उपयोग नहीं किया जाता है, तब भी उन्हें औपचारिक रूप से कम-से-कम मौखिक क्षेत्र में तथा पढ़ना और लिखना सीखने के शुरुआती चरणों में उपयोग किया जाना चाहिए। साथ ही इसे अन्य विषय पढ़ाने के लिए उपयोग की जाने वाली भाषा के लिए एक सेतु के रूप में काम करना चाहिए (NCF-FS 2023, पेज 77)। सेक्शन 3.2 NCF's Approach to Language Education and Literacy in the Foundational Stage (पेज 76-80) में और पढ़ें।

References

National Council for Educational Research and Training (NCERT). (2022). Foundational Stage National Curriculum Framework. https://ncert.nic.in/pdf/NCF_for_Foundational_Stage_20_October_2022.pdf

National Council for Educational Research and Training (NCERT). (2023). School Education National Curriculum Framework. https://ncert.nic.in/pdf/NCFSE-2023-August_2023.pdf

Directorate of Educational Research and Training (DERT). (2023). Meghalaya Foundational Stage Curriculum.

रीमा कौर अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ़ कंटीन्यूइंग एजुकेशन एंड यूनिवर्सिटी रिसोर्स सेंटर (SCE-URC), बेंगलूरु में असिस्टेंट प्रोफ़ेसर हैं। उन्होंने गुरु गोबिन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली से बीएड और भारत रत्न डॉ बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली से शिक्षा में एमए किया है। प्रारम्भिक भाषा और साक्षरता और प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षा उनकी रुचि के क्षेत्र हैं। रीमा वर्तमान में फ़ाउंडेशनल स्टेज के लिए पाठ्यक्रम विकसित करने में पूर्वोत्तर राज्यों की सहायता कर रही हैं। उनसे *rima.kaur@azimpremjifoundation.org* पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अनुवाद : सुबोध जोशी **पुनरीक्षण :** सुशील जोशी **कॉपी एडिटर :** अनुज उपाध्याय